

# GLEGOO

otra tipografía libre de “Google”

# देवनागरी

अन्य फ़ॉन्ट मुक्त “गूगल”

4 अगस्त 2014

ऐ अ आ इ ई उ ऊ ऋ लृ ए ऐ ए  
ऐ औ ओ ओ औ क ख ग घ ङ च  
छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण त थ द ध  
न ण प फ ब भ म य र ॠ ल ऌ ॡ  
व श ष स ह ा ाँ ाँ ाँ ाँ ाँ ि  
क ख ग ज ङ ड ढ फ य ऋ लृ अँ अँ  
आ औ अु अु ज़ ष ग ज ड ब

Hamburgevontpids  
दैव पूंजी वास्ते दयालुता

ऐ अ आ इ ई उ ऊ ऋ लृ ए ऐ ए  
ऐ ओ ओ औ क ख ग घ ङ च  
छ ज झ ञ ट ठ ड ढ ण त थ द ध  
न ण प फ ब भ म य र ॠ ल ळ ऴ  
व श ष स ह ा ाँ ाँ ाँ ाँ ाँ ि  
क ख ग ज ङ ड ढ फ य ऋ लृ अँ अँ  
आ औ अु अु ज़ ष ग ज ड ब

Hamburgevontpids  
दैव पूंजी वास्ते दयालुता

# कुलसचिव के पत्र से कालेज प्रधानाचार्य असंतुष्ट

यूजीसी के कड़े रुख के बाद दबाव में विश्वविद्यालय प्रशासन डीयू ने वेबसाइट पर एफवाईयूपी के स्थान पर लिखा यूजी राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के चार वर्षीय पाठ्यक्रम पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के कड़े रुख के बाद डीयू प्रशासन भारी दबाव में है। कालेज प्रिंसिपल एसोसिएशन द्वारा अपनी स्थिति स्पष्ट कर देने के बाद डीयू पर दबाव बढ़ गया है। कालेज एसोसिएशन द्वारा डीयू और यूजीसी के बीच दाखिला संबंधी दिशा निर्देश को लेकर विरोधाभास की बात सामने आने पर आनन-फानन में डीयू की कुलसचिव ने कालेजों को यूजीसी द्वारा और जून को भेजे गए पत्र को ही बढ़ा दिया है। इसमें डीयू की तरफ से अतिरिक्त आदेश नहीं दिया है। इस पत्र से डीयू के कालेजों से कई प्रिंसिपल असंतुष्ट हैं।

प्रिंसिपलों का कहना है कि यह पत्र भ्रामक है और इसमें डीयू की तरफ से न कोई आदेश है और न ही कोई पक्ष। कालेजों के प्रिंसिपल को सोमवार को लिखे पत्र में कुलसचिव ने लिखा है, मुझे यूजीसी के सचिव से दिनांक 22 जून, 2014 के आदेश से महाविद्यालयों को भेजे गए सम-संख्यक और सम दिनांकित पत्र को प्रेषित करने का निर्देश प्राप्त हुआ है जो स्वतः स्पष्ट है। इस संबंध में कालेजों के प्रिंसिपलों का कहना है कि इस पत्र से कोई समाधान नहीं निकला है। ऐसे समय में डीयू को स्पष्ट रुख अख्तियार करना चाहिए। इधर, सोमवार की दोपहर को डीयू की वेबसाइट से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (एफवाईयूपी) स्टेटस की जगह स्नातक पाठ्यक्रम (यूजी) लगा दिया है। हालांकि, वेबसाइट के अन्य पेज पर यह बदलाव नहीं किया गया है।

कड़े फैसलों की मजबूरी संसद के बजट सत्र की तिथियों की घोषणा के साथ ही आम जनता की रेल बजट और आम बजट से उम्मीदें बढ़ जाना स्वाभाविक हैं। महंगाई से त्रस्त जनता यह चाहेगी कि बजट घोषणाएं उसके लिए कोई राहत की खबर लेकर आएँ, लेकिन कटु सच्चाई यह है कि मौजूदा आर्थिक हालात में सरकार चाहकर भी जनता को राहत देने की स्थिति में नहीं। यह सही है कि सरकार तेजी से काम करने के साथ बिगड़ी चीजों को बनाने के लिए अतिरिक्त श्रम कर रही है, लेकिन ऐसा लगता नहीं कि वह आर्थिक हालत सुधारने के साथ

कोसने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है, लेकिन देश के सामने यह आना ही चाहिए कि संपूर्ण शासन ने किस तरह हालात बेकाबू हो जाने दिए। आर्थिक मोर्चे पर दुर्दशा की तस्वीर उजागर करके ही मोदी सरकार कड़े फैसलों के औचित्य को सिद्ध करने में सक्षम हो सकेगी। पिछले दिनों रेल किराये-भाड़े में वृद्धि के फैसले से जनता को इसलिए और अधिक झटका लगा, क्योंकि सरकार ने यह फैसला लेने के पहले न तो कोई भूमिका बनाई और न ही जनता को यह बताने की जरूरत समझी कि भारतीय रेल किस तरह कंगाली की हालत

के अवसरों को पैदा करने और घाटे वाली अर्थव्यवस्था से उबरने के जो तमाम उपाय कर रही है उनके बारे में जनता को अवगत कराती चले। पिछले 20-25 दिनों में केंद्र सरकार की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में अनेक फैसले लिए गए हैं। इनमें से कुछ फैसले बेहद महत्वपूर्ण हैं और अर्थव्यवस्था को गति देने के साथ आर्थिक परिदृश्य को बदलने वाले भी हैं, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता कि आम जनता इन फैसलों और उनसे होने वाले लाभों के बारे में पूरी तरह परिचित है। इन स्थितियों में यह आवश्यक हो जाता है कि रेल बजट और आम बजट की

18/28pt.- Grumpy wizards make toxic  
brew for the evil Queen and Jack. One  
morning, when Gregor Samsa देवनगर woke  
from troubled dreams, he found himself  
transformed in his bed into a horrible  
vermin. He lay on his armour like back, and  
if he lifted his head a little he could see his  
brown belly, slightly domed and divided by  
arches into stiff sections.

दुष्ट राक्षसों के राजा रावण का सर्वनाश करने वाले  
विष्णुवतार भगवान श्रीराम अयोध्या के महाराज दशरथ  
के बड़े सपुत्र थे राक्षसराज के दुष्ट राजा का सर्वनाश  
करने वाले विष्णु के अवतार भगवान श्रीराम का जन्म  
अयोध्या के राजा दशरथ के बड़े पुत्र के रूप में हुआ।

ऋषि साधु राक्षस क्षत्रिय ज्ञानी श्रीलंका शूरा  
खरदुशन आकार प्रकार राम कथा धनुष फल भारत पाप  
पुण्य अच्छाई बुराई जनक निर्जर शाप गडगा घृणा

El veloz murciélago hindú कौशल्या कैकई  
इतराना लज्जा तुलसीदास रचित केवट कठोर हार डंका  
ढोल जिधरअतेव सुअरिया ०१२३४५६७

The bedding was hardly able to cover it and  
seemed ready to slide off any moment. His  
many legs, pitifully thin compared with  
the size of the rest of him, waved about  
helplessly as he looked. 01234567890

जासं, पश्चिमी दिल्ली : छावला थाना क्षेत्र के घुमनहेड़ा गांव के पास शनिवार शाम मृत पशुओं को ले जाने वाले टेंपो पर सवार पांच कर्मचारियों को लोगों ने पशु तस्कर समझकर उनकी पिटाई कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल कर्मचारियों को अस्पताल पहुंचाया, जहां एक की मौत हो गई। उसकी पहचान वर्षीय शंकर के रूप में हुई है। लोगों का गुस्सा इतने से शांत नहीं हुआ तो वहां मौजूद पुलिसकर्मियों व उनकी गाड़ियों को भी उन्होंने निशाना बनाया। इस दौरान एक पीसीआर वैन सहित दो गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। इस दौरान नजफगढ़ डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त सहित तीन पुलिसकर्मियों को भी चोटें आईं। घटना के बारे में पुलिस अधिकारी का कहना है कि छावला थाने में मारपीट करने वाले लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। इसमें नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 1 नगर निगम की ओर से अधिकृत ठेकेदार के कर्मचारी एक टेंपो से क्षेत्र के विभिन्न डेयरियों व गोशालाओं से मृत पशुओं को ले जा रहे थे। रात में कुछ लोगों की नजर इस टेंपो पर पड़ गई। इसके बाद लोगों ने टेंपो को रुकवाया व उसमें तोड़फोड़ की। उधर, इस मामले में परिजनों का आरोप है कि पुलिस के टेंपो रोकने पर जानवरों के शव को ढोने के लिए नगर निगम से मिले अनुमति पत्र को दिखाया गया था, लेकिन लोगों ने इस पर यकीन नहीं किया। इसके बाद लोगों की भीड़ ने कर्मचारियों की जमकर पिटाई की। इसमें शंकर की मौत हो गई, जबकि हरिओम, सुनील, विकी व काशी गंभीर रूप से घायल हो गए।

## मुजफ्फरनगर में मदरसे पर छापा

मुजफ्फरनगर: मेरठ रोड पर डीएम आवास के पास स्थित मदरसे में युवतियों के बंधक होने की सूचना पर पुलिस ने रविवार शाम छापेमारी की। इस दौरान भाजपा नेता भी पहुंच गए और हंगामा किया। छापे में मिली चार युवतियों ने अपनी मर्जी से मदरसे में रहने की बात कही है।

शांत नहीं हुआ तो वहां मौजूद पुलिसकर्मियों व उनकी गाड़ियों को भी उन्होंने निशाना बनाया। इस दौरान एक पीसीआर वैन सहित दो गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। इस दौरान नजफगढ़ डिवीजन के सहायक पुलिस आयुक्त सहित तीन पुलिसकर्मियों को भी चोटें आईं। घटना के बारे में पुलिस अधिकारी का कहना है कि छावला थाने में मारपीट करने वाले लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। इसमें नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 1 नगर निगम की ओर से अधिकृत ठेकेदार के कर्मचारी एक टेंपो से क्षेत्र के विभिन्न डेयरियों व गोशालाओं से मृत पशुओं को ले जा रहे थे। रात में कुछ लोगों की नजर इस टेंपो पर पड़ गई। इसके बाद लोगों ने टेंपो को रुकवाया व उसमें तोड़फोड़ की। उधर, इस मामले में परिजनों का आरोप है कि पुलिस के टेंपो रोकने पर जानवरों के शव को ढोने के लिए नगर निगम से मिले अनुमति पत्र को दिखाया गया था, लेकिन लोगों ने इस पर यकीन नहीं किया। इसके बाद लोगों की भीड़ ने कर्मचारियों की जमकर पिटाई की। इसमें शंकर की मौत हो गई, जबकि हरिओम, सुनील, विकी व काशी गंभीर रूप से घायल हो गए।

# CINEMA NEWS SONGS

“आवरण” ले गर्‍यो गित सार्वजनिक

सस्पेन्स थ्रिलर सिनेमा “आवरण” ले आफ्नो पहिलो गित सार्वजनिक गरेको छ । सामाजिक संजाल मार्फत सार्वजनिक गरिएको गित मा सुजिता गुरुङ को स्वर रहेको छ भने शब्द तथा संगित स्वप्निल शर्मा को रहेको छ ।

दिव्य देव पन्त र प्रियंका कार्की को मुख्य भूमिका रहेको चलचित्र का निर्देशक सुबाश कोइराला हुन । जेठ २ गते रिलिज गरिने चलचित्रलाई हरी हुमागाँई ले खिचेका हुन ।